



CLASS	SUBJECT	TOPIC / CHAPTER	MODULE / ASSIGNMENT
X	HINDI	विनय के पद	<p>ऐसो का उदार जग माहीं। बिनु सेवा जो द्रवै दीन पर राम सरि। कोउ नाहीं॥ जो गतिन जोग विराग जतन करि नहीं पाबत मुनि ज्ञानी। सो गति देत गीध सबरी कहूँ प्रभु न बहुत जिय जानी॥</p> <p>प्रश्न 1. ऐसो को ----- माही का अर्थ क्या है? यह वाक्य किसके बारे में कहा गया है और क्यों?</p> <p>प्रश्न 2. प्रस्तुत पद के कवि का संक्षिप्त परिचय देते हुए बताएँ कि उनके आराध्य कौन हैं?</p> <p>प्रश्न 3. प्रस्तुत पद में कवि ने अपने आराध्य की भक्ति किस भाव से की है?</p> <p>प्रश्न 4. गीध और शबरी का संक्षिप्त परिचय दें।</p> <p>प्रश्न 5. विभीषण कौन था? भगवान ने उसके प्रति कौन सी उदारता दिखाई?</p> <p>प्रश्न 6. कवि ने किसे संबोधित करते हुए राम की भक्ति करने को कहा है, और क्यों?</p> <p>प्रश्न 7. कवि के अनुसार हमें परम सनेही का त्याग क्यों कर देना चाहिए?</p> <p>प्रश्न 8. किसका - किसका त्याग मंगलकारी साबित हुआ?</p> <p>प्रश्न 9. अंजन का अर्थ क्या है? अंजन का प्रयोग हमें कब छोड़ देना चाहिए?</p> <p>प्रश्न 10. विनय के पद का केन्द्रीय भाव लिखें।</p>

*Rakshmi*